ॐ
अलख

श्री रूपभवानी अलखेश्वरी अष्टोत्तरशत नामावली

श्री माता रूप भवानी

ज्येष्ट पूर्णमासी
1677 ई.
(आविर्भाव दिवस)

माघ कृष्णपक्ष सप्तमी
1777 ई.
(निर्वाण दिवस)

रचयिता पं. चमन लाल राज़दान

संकल्पनात्मक सहयोगी पं. अर्जुनदेव वेषण, पं. राज नाथ धर

-0 Shri Alakh Sahiba Trust (Regd), Tirath Nagar, Talab Tillo, Jammu -180002. Digitized by eGang

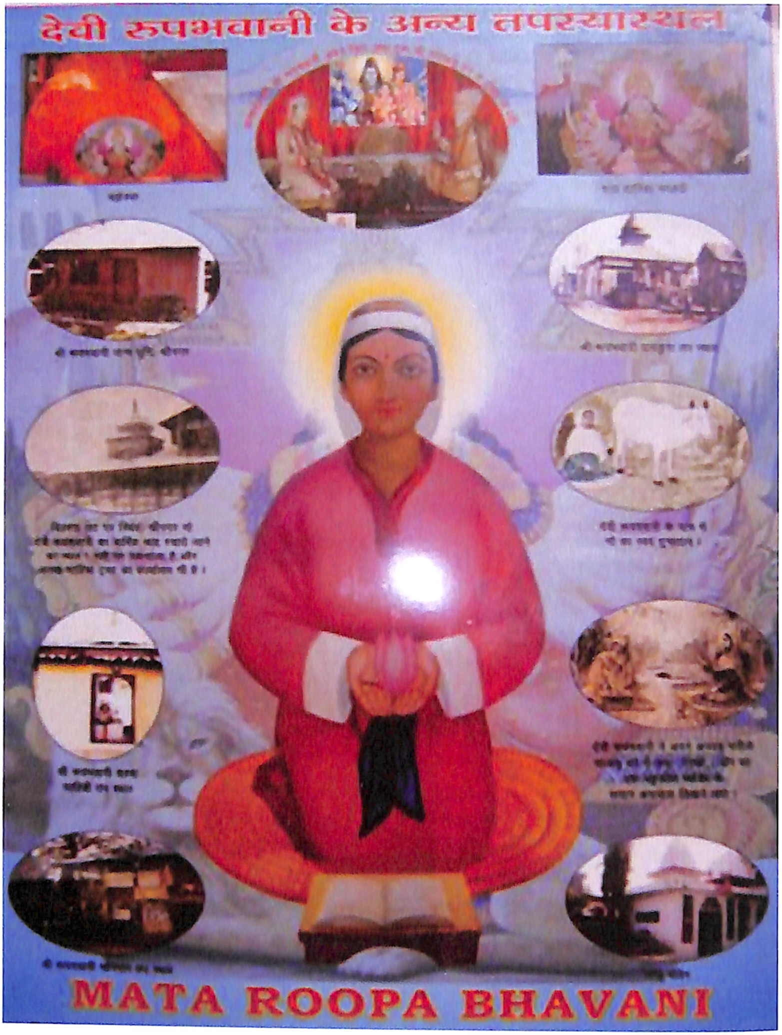

0 Shri Alakh Sahiba Trust (Regd), Tirath Nagar, Talab Tillo, Jammu -180002. Digitized by eGang

What ALAKH means

The Shaktiwad of Kashmir adores ShriSharika as Mahamaya—the Divine Mother. She manifests as '*Alakh*' – the Purusha aspect and '*Ishvari*' –the Prakriti aspect. Thus Reality is a concrete unity in duality, which has been taught by Mata Roop Bhawani in her '*Nirvana Dashkam*' and '*Antar Drishti*'. She lays stress on Samadhi which is the union of Shiva and Shakti.

अलख Alakh is the primal source in understanding the Triadic philosophy of manifestation.

अ-A is the *ISHVAR* Tattva and the first vibration of the Vedic Pranava ॐ *-Aum*'. अ-A Symbolizes the Vaishnavi excellence. It is the spirit of sustenance.

ल- La is the *PRITHVI* Tattva and symbolizes the physical manifestation of the universe. It is the basis of Yoga----- and is the body and its vital consciousness.

ख- Kha is the ethereal consciousness. It is the *AKASH* Tattva and known as the Space principal of extension which is the eternal matrix of Spirit.

अलख is the Supreme word or *SHABDA-BRAHMAN*.

--Dr Chaman Lal Raina

C-0 Shri Alakh Sahiba Trust (Regd), Tirath Nagar, Talab Tillo, Jammu -180002. Digitized by eGango

श्री रूपभवानी अलखेश्वरी
अष्टोत्तरशत नामावली

कृपया ध्यान रखें:

आप रूपभवानी अलखेश्वरी अष्टोत्तरशत नामावली की पूजा समय या स्थिति के अनुसार तीन प्रकार से कर सकते हैं, पहला होम (हवन) से, दूसरा पुष्पार्चन और तीसरा केवल पाठ मात्र से। यदि होम (हवन) करने का मन बनता है, तो उसमें आहुति के लिए घी तथा अग्नहोत्री (अग्नवतर) का होना आवश्यक है। इसी प्रकार पुष्पार्चन के लिए फूल तथा फूलों की कुछ मालाओं का प्रयोग करना पड़ेगा। यदि आप होम (हवन) कर रहे हैं तो आप प्रत्येक मन्त्र उच्चारण के अन्त में आहुति डालते हुए 'स्वाहा' पढ़ें अन्यथा पुष्पार्चन या पाठ के समय प्रत्येक मन्त्र के साथ अन्त में 'नमो नमः' पढ़ें जैसे 'ॐ श्री रूपभवानी माता शारिका अंश रूपाये' नमो नमः।

0 Shri Alakh Sahiba Trust (Regd), Tirath Nagar, Talab Tillo, Jammu -180002. Digitized by eGang

ॐ श्री गणेशाय नमः   ॐ नमो भवान्यै

विनियोग करें:

ॐ अस्य श्री रूपभवानी अलखेश्वरी अष्टोत्तरशत
नामावली अलखेश्वरी शक्त्यै स्वच्छन्दः माता रो'प द्यद
तपस्विन्यै आत्मनो वाङ्मनः कायोपार्जित
पापनिवारणार्थ श्री शारिका रूपायै प्रीत्यर्थे
होमे/पुष्पाचर्ने/ पाठे विनियोगः।

अब न्यास करें:

अथ करन्यासः

ॐ अभ्यास प्रियायै अङ्गुष्ठाभ्यां नमः
ॐ ज्ञान प्रदायै तर्जनीभ्यां नमः
ॐ शुद्धविद्यायै मध्यमाभ्यां नमः
ॐ शक्ति रूपायै अनामिकाभ्यां नमः
ॐ इष्टदेव्यै कनिष्ठिकाभ्यां नमः
ॐ विमुक्त्यै करतलकरपृष्ठाभ्यां नमः

C-0 Shri Alakh Sahiba Trust (Regd), Tirath Nagar, Talab Tillo, Jammu -180002. Digitized by eGango

अथ षड न्यास:

ॐ अभ्यास प्रियायै हृदयाय नम:
ॐ ज्ञान प्रदायै शिरसे स्वाहा
ॐ शुद्धविद्यायै शिखायै वौषट्
ॐ शक्ति रूपायै कवचायहुम्
ॐ इष्टदेव्यै नेत्राभ्यां वौषट्
ॐ विमुक्त्यै अस्त्राय फट्

अब ध्यान करें:

अथ ध्यानम

आविर्भूता जनकतपसा शारिका अंशरूपा।
ध्वान्तं भित्त्वा सकलजगतो यागतासीत्समक्षम।
भक्तानाञ्च प्रवरसुखदामागतानां समीपे।
वन्दे नित्यं विकसितमुखीं रूपनाम्नीं भवानीम।।

सहस्त्र सर्वत्र व्यापी स्वहृथ विचार्यम्।
बहुबल संबाहु एकतं स्वयंबू परमाकारी।
अन्तर्मुखी दृष्टी निर्वान्-रहस्य तती परमगती।।

शुद्धयुक्त-मुलादरी क्वुण्डली मंडली गौरी।
स्यद्दअर्थ सूक्ष्मू सुष्वप्ती चक्र: विरक्त शान्तादारी।
ईश्वरी तुर्यातीत परमानन्दी।
अन्तर्मुखी दृष्टी निर्वान्-रहस्य तती परमगती।।

0 Shri Alakh Sahiba Trust (Regd), Tirath Nagar, Talab Tillo, Jammu -180002. Digitized by eGang

तद् रूपमयी तत्परमगती स्थानी प्रवाही।
गति गट पूरनी छ्वदा देह तृपितम्।
समर्थ स्वामी परमार्थ निदानम्।
अन्तर्मुखी दृष्टी निर्वान्-रहस्य तती परमगती।।

गुरुर् ब्रह्मा गुरुर् विष्णुः गुरुः साक्षात महेश्वरः।
गुरुर् एव जगत् सर्व तस्मै श्रीगुरवे नमः।।

स पिता स च मे माता स बन्धु स च देवता।
संसार-प्रतिबोधार्थं तस्मै श्रीगुरवे नमः।।

यत सत्येन जगत सत्यं यत् प्रकाशेनभातितत्।
यद आनन्देन वोदेति तस्मै श्रीगुरवे नमः।।

गुरुर् देवो जगत सर्व ब्रह्मा-विष्णु-शिवात्मकः।
गुरोः परतरं नास्ति तस्मात् संपूजयेद् गुरुम ।।

C-0 Shri Alakh Sahiba Trust (Regd), Tirath Nagar, Talab Tillo, Jammu -180002. Digitized by eGango

ज्ञानी कर्मी तथा योगी गुरुर् ज्ञेय: सुख-प्रद:।
त्रिभि: हीनं त्यजेत् दूरे मिथ्या-ज्ञान-प्रदर्शकम् ।।

यस्य स्मरण-मात्रेण ज्ञानं उत्पद्यते स्वयम्।
ज्ञान-शेवधि-दात्रे वै तस्मै श्रीगुरवे नम:।।

गायत्री :-

ॐ रूपभवान्यै विद्महे,
द्यदमर विहार देव्यै धीमहि,
तन्न: शक्ति: प्रचोदयात्   (3 बार)

ॐ श्री रूपभवानी माता शारिका अंश रूपायै स्वाहा (1)

ॐ प्रसिद्ध-विख्यात पितृ श्री माधवजू धर
आत्मजायै स्वाहा

ॐ तदरूप रूपायै स्वाहा

ॐ प्रतिष्ठित-सुशिक्षित परिजनायै स्वाहा

ॐ हारी पर्वत परिक्रमायै स्वाहा

-0 Shri Alakh Sahiba Trust (Regd), Tirath Nagar, Talab Tillo, Jammu -180002. Digitized by eGang

ॐ प्रद्युम्नपीठ प्रियायै स्वाहा

ॐ अभ्यास प्रियायै स्वाहा

ॐ ज्ञान प्रदायै स्वाहा

ॐ योगिनी चित्तानन्दायै स्वाहा

ॐ माता चक्रेश्वर्यै स्वाहा (10)

ॐ अन्तरात्म ज्ञानदायै स्वाहा

ॐ शिवानन्द स्वरूपायै स्वाहा

ॐ चैतन्यमात्मायै स्वाहा

ॐ जाग्रत, स्वप्न, सुषुप्त अवस्थायै स्वाहा

ॐ शुद्धविद्यायै स्वाहा

ॐ तुरीयायै स्वाहा

C-0 Shri Alakh Sahiba Trust (Regd), Tirath Nagar, Talab Tillo, Jammu -180002. Digitized by eGango

ॐ अन्तर्दृष्टि योगाभ्यास्यै स्वाहा

ॐ श्री अलखसाहिबा भवानी देव्यै स्वाहा

ॐ सपू जाति परिवार विवाहितायै स्वाहा

ॐ द्यदमर जन्म स्थानायै स्वाहा (20)

ॐ ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमायां जयन्त्यै स्वाहा

ॐ हीरानन्द सपू नाम्ना जायायै स्वाहा

ॐ समस्तजाति समादृतायै स्वाहा

ॐ शक्ति रूपायै स्वाहा

ॐ काश्मीर कुंकुम प्रियायै स्वाहा

ॐ विकसितमुखी भवान्यै स्वाहा

ॐ माघकृष्ण सप्तम्यां निर्वाण तिथ्यै स्वाहा

-0 Shri Alakh Sahiba Trust (Regd), Tirath Nagar, Talab Tillo, Jammu -180002. Digitized by eGang

ॐ साहिब सप्तमी व्रत धरायै स्वाहा

ॐ वैष्णव आहारायै स्वाहा

ॐ श्री रूपभवानी रहस्योपदेशायै स्वाहा (30)

ॐ सिद्धिदायै स्वाहा

ॐ माधवजू धर प्रियायै स्वाहा

ॐ शैवशाक्तागमायै स्वाहा

ॐ देवेश्वरी तपस्यायै स्वाहा

ॐ पतिमाता दुर्व्यवहार हेतु आश्रमस्थायै स्वाहा

ॐ आत्मिक साधना रतायै स्वाहा

ॐ चश्मासाहिबी तपोवनायै स्वाहा

ॐ सोमेश्वर घाट स्नानायै स्वाहा

0 Shri Alakh Sahiba Trust (Regd), Tirath Nagar, Talab Tillo, Jammu -180002. Digitized by eGang

ॐ कंदक्षीर नैवेद्य प्रियायै स्वाहा

ॐ पञ्चसिद्ध पीठायै स्वाहा (40)

ॐ इष्ट देव्यै स्वाहा

ॐ भुक्ति-मुक्ति प्रदात्र्यै स्वाहा

ॐ सगुण साकार शारिका रूपायै स्वाहा

ॐ शुभफल प्रदायै स्वाहा

ॐ त्रिकमत प्रियायै स्वाहा

ॐ काश्मीर पण्डितजन पूज्यायै स्वाहा

ॐ अभ्यास-तप प्रियायै स्वाहा

ॐ नाद बिन्दु ज्ञानदायै स्वाहा

ॐ मधुरायै स्वाहा

-0 Shri Alakh Sahiba Trust (Regd), Tirath Nagar, Talab Tillo, Jammu -180002. Digitized by eGang

ॐ निर्गुण निराकारायै स्वाहा (50)

ॐ धर जाति कन्यायै स्वाहा

ॐ 'नियाज़' प्रणामी स्वीकृत्यै स्वाहा

ॐ सर्वानन्द प्रदात्र्यै स्वाहा

ॐ ज्ञानकर्म-योगीश्वर्यै स्वाहा

ॐ गुरु-शिष्य मूर्तये स्वाहा

ॐ मनिगाम स्वाश्रमायै स्वाहा

ॐ सिंधु नदीतीरे चिनार वृक्षायै स्वाहा

ॐ मुगल नृप प्रशंसकायै स्वाहा

ॐ प्राणापान ज्ञान प्रदायै स्वाहा

ॐ गुरु देवी प्रसादायै स्वाहा (60)

-0 Shri Alakh Sahiba Trust (Regd), Tirath Nagar, Talab Tillo, Jammu -180002. Digitized by eGang

ॐ आध्यात्मिक साधना तत्परायै स्वाहा

ॐ मधु-मिष्टान्न भोजनायै स्वाहा

ॐ अंतिम आश्रम वासकुरग्राम सिद्धपीठायै स्वाहा

ॐ दृष्टिहीन बालक नेत्रप्रकाशदात्र्यै स्वाहा

ॐ पद्मासनायै स्वाहा

ॐ काश्मीर पण्ड़िताऩ्यै स्वाहा

ॐ पूर्णिमा जन्म तिथ्यै स्वाहा

ॐ साध्व्यै स्वाहा

ॐ शिवप्रियायै स्वाहा

ॐ माता भवान्यै स्वाहा (70)

ॐ अनेक वस्त्र वर्णायै स्वाहा

-0 Shri Alakh Sahiba Trust (Regd), Tirath Nagar, Talab Tillo, Jammu -180002. Digitized by eGang

ॐ अन्नपूर्णायै स्वाहा

ॐ तपस्विन्यै स्वाहा

ॐ शिवदूत्यै स्वाहा

ॐ जगदम्बायै स्वाहा

ॐ सिंहवाहन वाहिन्यै स्वाहा

ॐ योगगम्यायै स्वाहा

ॐ जप प्रियायै स्वाहा

ॐ क्षेमङ्कर्यै स्वाहा

ॐ मनीषायै स्वाहा (80)

ॐ योगिध्येयायै स्वाहा

ॐ शरणागत वत्सलायै स्वाहा

0 Shri Alakh Sahiba Trust (Regd), Tirath Nagar, Talab Tillo, Jammu -180002. Digitized by eGan

ॐ रक्तवस्त्र धरायै स्वाहा

ॐ विदुष्यै स्वाहा

ॐ विमुक्त्यै स्वाहा

ॐ प्रतिभायै स्वाहा

ॐ काश्मीर शाक्तदर्शनायै स्वाहा

ॐ कवयित्र्यै स्वाहा

ॐ माध्व्यै स्वाहा

ॐ दु:खापहारायै स्वाहा (90)

ॐ सुमन प्रियायै स्वाहा

ॐ षट्कोण निवासिन्यै स्वाहा

ॐ पद्महस्तायै स्वाहा

-0 Shri Alakh Sahiba Trust (Regd), Tirath Nagar, Talab Tillo, Jammu -180002. Digitized by eGang

ॐ तीर्थनगरे तीर्थ स्थानायै स्वाहा

ॐ आत्मज्ञानायै स्वाहा

ॐ संत लालचन्द दुग्ध-प्रदातृ गोमात्रे स्वाहा

ॐ मन्त्र दीक्षायै स्वाहा

ॐ प्रभुतायै स्वाहा

ॐ गुरु उपदेशायै स्वाहा

ॐ शत्रुघातिन्यै स्वाहा (100)

ॐ समदर्शन्यै स्वाहा

ॐ निर्वाण दशश्लोकायै स्वाहा

ॐ काश्मीर जन्म स्थल्यै स्वाहा

ॐ पितृ गुरु रूपायै स्वाहा

0 Shri Alakh Sahiba Trust (Regd), Tirath Nagar, Talab Tillo, Jammu -180002. Digitized by eGang

ॐ वैरी विनाशिन्यै स्वाहा

ॐ काश्मीर शाक्त विमर्शन्यै स्वाहा

ॐ क्रिया शक्त्यै स्वाहा

ॐ रूपभवानी शारदापीठायै स्वाहा (108)

अनेन अष्टोत्तरशत नामावली होमेन/
पुष्पार्चनेन / पाठेन आत्मनो वाङ्मन:
कायोपार्जित पाप निवारणार्थ
श्री माता प्रसाद सिद्धयर्थ
श्री रूपभवानी देवी प्रीयतां
प्रीतोऽस्तु ।

श्री रूपभवानी अलखेश्वरी माता की जय ।।

0 Shri Alakh Sahiba Trust (Regd), Tirath Nagar, Talab Tillo, Jammu -180002. Digitized by eGang

Ancient Paintings of Mata Roop Bhawani

Spring Chesme Sahibi in Srinagar

0 Shri Alakh Sahiba Trust (Regd), Tirath Nagar, Talab Tillo, Jammu -180002. Digitized by eGang

Moorti in Mata Roop Bhawani Temple, Jammu Tawi

PUBLISHED BY:
Shri Alakh Sahiba Trust,
MATA ROOP BHAWANI ASHRAM,
TIRTH NAGAR, TALAB TILLO, BOHRI,
JAMMU TAWI-180001 (J & K)
Phone: 0191-2502545
E-mail : contact@mataroopbhawani.org
Website: www.mataroopbhawani.org

मूल्य: रू 21.00

प्रथम संस्करण (2000 प्रतियाँ) श्रावण शुक्ल पक्ष पूर्णिमा 2072 (वि.) 29 अगस्त 2015

-0 Shri Alakh Sahiba Trust (Regd), Tirath Nagar, Talab Tillo, Jammu -180002. Digitized by eGang